University in News on 13 April 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 5

एलयू के सीपीसी सेल ने शुरू की ऑनलाइन कॅरिअर काउंसलिंग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने विद्यार्थियों की कॅरिअर के प्रति अनिश्चितता तथा चिंता को देखते हुए ऑनलाइन कॅरिअर काउंसलिंग की शुरुआत की है। इसके साथ ही सेल ने संकायवार काउंसलिंग का कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। पहले चरण में कॉमर्स, विज्ञान और कला संकाय के विद्यार्थियों की काउंसलिंग की जाएगी। बाकी विद्यार्थियों की काउंसलिंग अगले चरण में की जाएगी। 14 अप्रैल तक कला संकाय, 15 को कॉमर्स तथा 16 और 17 अप्रैल को विज्ञान संकाय की काउंसलिंग की जाएगी। इसके बाद अन्य संकायों की काउंसलिंग का कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

संकायवार शेड्यूल किया जारी

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि काउंसलिंग के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स एवं पर्सनैलिटी डवलपमेंट के लिए मोटिवेशन और लीडरशिप क्वालिटी के विकास पर भी जोर होगा। हर सेशन के बाद पूरी टीम छात्रों की तमाम जिज्ञासाओं के निवारण के लिए उपस्थित होकर इस विषम परिस्थिति में उनका मनोबल बढ़ाने में अपना योगदान देगी। इसमें विवि के साथ बाहर के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ भी सहयोग करेंगे। सीवी लेखन की विशेषज्ञ आभा जोशी एवं सॉफ्ट स्किल्स की विशेषज्ञ डॉक्टर अपर्णा मिश्रा के अतिरिक्त डॉ. वैशाली सक्सेना, डॉ. मधुरिमा प्रधान, डॉ. अनूप कुमार सिंह, डॉ. एस के जयसवाल, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव एवं विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक शामिल होंगे। सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने कहा कि इस समय बच्चों की काउंसलिंग की जरूरत है। इसलिए उनके घरों तक ऑनलाइन माध्यम से काउंसलिंग आयोजित करना जरूरी है। काउंसलिंग के पहले चरण के बाद अगले चरण में स्वरोजगार के विविध आयामों का प्रशिक्षण भी दिया जाना है।

Pioneer Page 3

एलयू करेगा ऑनलाइन कैरियर काउंसलिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय का काउन्सलिंग एंड प्लेसमेंट सेल;सीपीसीद्ध इस आपातकालीन स्थिति में स्टूडेंट्स का ध्यान रख रहा है। इसके लिए काउन्सलिंग एंड प्लेसमेंट सेल भविष्य की समस्याओं से निपटने और टेंशन में रहने वाले स्टूडेंट्स की ऑनलाइन कैरियर काउन्सलिंग की पहल करने जा रहा है। सेल की निदेशिका डॉ मधुरिमा लाल ने बताया कि एलयू और कई प्रतिष्ठित कम्पनियों के विशेषज्ञ स्टूडेंट्स की काउंसलिंग करेंगे। उन्होंने बताया कि काउंसलिंग दो चरणों में होगी। पहले चरण में कामर्स, विज्ञान एवं कला संकायो के स्टूडेंट्स की काउंसलिंग की जाएगी और दूसरे चरण में अन्य संकायो के स्टूडेंट्स की। इसके अलावा काउन्सलिंग के साथ साथ सॉफ्ट स्किल्स एवं पर्सनालिटी डेवलपमेंट के लिए मोटिवेशन और लीडरशिप क्वालिटी के विकास के बारे में भी स्टूडेंट्स को काउंसलिंग कर जानकारी दी जाएगी।

The Pioneer Page 3

Lockdown: CPC to allay concerns of students

PNS ■ LUCKNOW

The Counselling and Placement Cell (CPC) of Lucknow University has started online career counselling of students with a view to managing career-related anxiety in students during the ongoing lockdown and thereafter. Media incharge of LU Durgesh Srivastava said that to address issues related to students' worries about the availability of opportunities in various sectors post lockdown, CPC has released a schedule of upcoming sessions to be held online.

External experts Abha Joshi and Aparna Mishra are the consultants along with senior professors of LU who will also be addressing students' concerns. Director Madhurima Lall said that after each session, the team of CPC experts would be there for question-answer sessions and thereafter, individual career problems would also be addressed on one-to-one basis.

M Pradhan, Vaishali Saxena, Gauri Saxena, SK Jaiswal and AK Singh will be counselling on communication, soft skills, personality development and motivation besides managing career skills. In the second segment, the CPC will also work on developing entrepreneurial skills among students and will soon release its schedule.

Meanwhile, a professor at the department of Linguistics has ensured that communities residing in remote areas of northern India are also aware of the danger imposed by COVID-19. Kavita Rastogi, with the team of her NGO, has translated relevant information, precaution pamphlets into 29 indigenous and endangered languages of Uttarakhand, Uttar Pradesh, Jharkhand, Chhattisgarh, Bihar, Assam and Meghalaya.

Amrit Vichar Page 3

छात्रों को सेमेस्टर पूरा कराने की मिली जानकारी

लखनऊ। स्नातक व परास्नातक छात्रों को सेमेस्टर पूरा कराने की जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से मुहैया करायी गयी है। इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध कॉलेजों के छात्रों को जानकारी दी गयी है। छात्रों की समस्या यह है कि उनका सेमेस्टर कैसे पूरा हो और परीक्षाएं करायी जायें,इस संबंध में रविवार को 50 छात्रों ने फोन पर परामर्श लिया।

NBT Page 3

लॉकडाउन में एलयू करवाएगा ऑनलाइन सेमिनार और वर्कशॉप

■ **एनबीटी, लखनऊ:** लॉकडाउन के दौरान जहां हर जगह शैक्षणिक कार्य बंद है, वहीं एलयू जल्द ही ऑनलाइन सेमिनार के साथ वर्कशॉप करवाएगा। इसमें देश-विदेश के स्टूडेंट्स और टीचर्स को शामिल होने का मौका मिलेगा।

फिजिक्स विभाग में होगा सेमिनार, देश-विदेश के स्टूडेंट्स और टीचर्स होंगे शामिल

एलयू के फिजिक्स विभाग में रोजाना 'डॉक्टर फिजिक्स केयर ऑफ योर हेल्थ' पर एक घंटे की लेक्चर सीरीज और सेमिनार भी होगी। इसमें देश विदेश के वक्ता जूम एप के माध्यम से ऑनलाइन लेक्चर देंगे। इसमें शामिल होने के लिए स्टूडेंट्स को एलयू की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। वहीं, सॉलिड स्टेट प्रॉपर्टीज ऑफ फार्मास्यूटिकल्स टॉपिक पर दो दिन की 'इंडो ब्राजील वर्कशाप' होगी। इसमें जो स्टूडेंट्स भाग लेंगे उन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा।

Hindustan Page 5

तनाव परेशान कर रहा हो तो मनोवैज्ञानिकों से मदद लें

लखनऊ। लॉक डाउन के चलते लोग घरों में हैं। ऐसे में तनाव होना स्वाभाविक है। लोगों को तनाव कम करने की तरीके बताने के लिए अब राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) आगे आया है। एनएसएस लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं। यहां फोन करके कोई भी व्यक्ति मदद प्राप्त कर सकता है।

यूनीसेफ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, उत्तर प्रदेश की ओर से शनिवार को आयोजित एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम के बाद यह नम्बर जारी किए गए। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से 120 से अधिक राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया। इसमें लॉक डाउन के चलते लोगों के मनोदशा पर पड़ते असर पर मंथन किया गया। प्रशिक्षण एवं मुख्य परामर्शदाता के तौर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की डॉ. मानिनी श्रीवास्तव एवं जेएनपीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की डॉ. रश्मि सोनी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम समन्यक डॉ. राकेश द्विवेदी ने बताया कि इस दिशा में

● 120 अधिकारियों ने ऑनलाइन मंथन किया

● एनएसएस ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी प्रशिक्षण के आधार पर जनता को आवश्यक सेवा लाभ पहुंचाने के लिए तैयार हैं। लोगों को मदद करने के लिए हेल्पलाइन नम्बर भी जारी किए हैं।

यहां करें फोन

डॉ. कृष्ण यादव	9453673945
डॉ. जितेन्द्र यादव	9336566375
डॉ. रश्मि श्रीवास्तव	9455554600
डॉ. सबा तबस्सुम	8887608399
डॉ. नहिमा सिंह	9450650717
डॉ. ननीषा पाण्डेय	8081807227
डॉ. मोहिनी गौतम	8960678538
डॉ. सीबा परवीन	8565920483
डॉ. सपना अस्थाना	9451149542
डॉ. अंशु केडिया	9515755051

Amrit Vichar Page 1

तैयारी लखनऊ विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान विभाग की प्रो . कविता रस्तोगी ने किया भाषा परिवर्तन, क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर काम कर रहीं प्रोफेसर व उनकी टीम

अब 29 भाषाओं में मिलेगी कोरोना वायरस की जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ

कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से लगातार कदम उठाये जा रहे हैं, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जहां फोन पर परामर्श दे रहे हैं, वहीं एक अन्य महिला प्रोफेसर ने केंद्र सरकार की ओर से कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए दी गई सभी जानकारियों को 15 क्षेत्रिय भाषाओं समेत 29 भाषाओं में परिवर्तित कर दिया है।

विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान विभाग की प्रोफेसर कविता रस्तोगी की इस पहल को कुलपति प्रो. आलोक राय ने बड़ा कदम बताया है। इस कार्यक्रम में प्रो. रस्तोगी ने सोसाइटी फॉर एंडेन्जेर्ड एंड लैसर

भाषाओं में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, असम और मेघालय की भाषा भी शामिल

प्रोफेसर कविता रस्तोगी । ● अमृत विचार

नोन लैंग्वेजेज की टीम का भी सहारा लिया है। प्रो. रस्तोगी ने बताया कि उनकी टीम ने इस कार्य में बड़ा सहयोग किया है।

तैयार किए जा रहे छोटे-छोटे वीडियो : प्रो रस्तोगी ने यह भी बताया कि जब कि 29 भाषाओं में काम पूरा हो चुका है, पूर्वोत्तर और पश्चिमी भारत की क्षेत्रीय भाषाओं पर काम अभी वे और उनकी टीम कर रही है। साथ ही इन सभी भाषाओं में वे छोटे छोटे वीडियो भी तैयार कर रही है ताकि व्हाट्सएप जैसे माध्यम से कोरोना से सुरक्षित रहने की जानकारी जल्दी और आसानी से लोगो में फैलाई जा सके।

अधिक से अधिक भाषाओं में होनी चाहिए जानकारी

प्रो . कविता ने अमृत विचार से बातचीत में कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण के संकट से भारत के साथ पूरा विश्व जूझ रहा है। ऐसे में केन्द्र सरकार की ओर से संक्रमण से बचाव के लिए जागरूकता संबंधित जानकारी भेजी जा रही है, उसका अधिक से अधिक भाषा में अनुवाद होना जरूरी है। प्रो . कविता ने बताया कि उन्होंने और उनकी टीम ने मिलकर 15 क्षेत्रीय और लुप्तप्राय भाषाओं में सभी जानकारियों को अनुवादित किया है। यह 29 भाषाएं उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, असम और मेघालय के विभिन्न प्रान्तों में बोली जाती है।

अवधी, गढ़वाली, कुमाऊनी भाषा में भी होगा तैयार

प्रो . रस्तोगी ने बताया कि कोविड-19 की समस्या बड़ी है, जागरूकता ही हमारा बचाव कर सकती है। उन्होंने बताय कि सभी जानकारी अवधि, भोजपुरी, कुमाऊनी, गढ़वाली आदि भाषाओं में भी पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा इस समुदायों के साथ काम करने वाले लोगो के वह लगातार संपर्क में हैं और इस कोशिश में कार्यरत है कि कितनी जल्दी सूचना पहुंचाई जा सके।

कोरोना से जंग में सही जानकारी की अहम भूमिका

प्रो . रस्तोगी ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए अधिक से अधिक लोगों तक सही जानकारी पहुंचे इस पर फोकस बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत में अनेक प्रकार की भाषाएं बोली जाती है, इसलिए जरूरी है कि सभी लोगों की भाषा का ख्याल रखा जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय और लुप्तप्राय भाषा बोलने वाले समुदाय के लोगो को कोविड 19 के विषय में उन्हीं की भाषा में सूचना पहुंचे तो यह सबसे बेहतर होगा।